RCB के तेज गेंदबाज यश दयाल ने शादी की

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

दिल्ली में हनी सिंह के कॉन्सर्ट के दौरान बवाल,

Page-05

विधानसभा चुनाव की तारीखें 2026:

चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव का ऐलान

- 9 अप्रैल से शुरू होगी मतदान प्रक्रिया
- पश्चिम बंगाल में दो चरणों में होगा मतदान

भारत निर्वाचन आयोग (ECI) 15 मार्च (रविवार) को शाम 4:00 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार, मतदान 9 अप्रैल को शुरू होगा और वोटों की गिनती 4 मई को होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव एक ही चरण में 9 अप्रैल को होंगे। तमिलनाडु में मतदान 23 अप्रैल को होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में होंगे, जिसमें मतदान 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को निर्धारित है। आयोग ने बताया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के वोटों की गिनती 4 मई को होगी। इसके अलावा चुनाव आयोग ने बताया कि असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव कराने के लिए लगभग 25 लाख चुनाव अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इन कर्मियों में मतदान कर्मचारी, सुरक्षा बल और प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे, जो चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को संभालने और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि मतदान स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव वाले पाँच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 2.19 लाख से ज़्यादा मतदान केंद्र बनाए जाएँगे। अधिकारियों ने बताया कि मतदाताओं के लिए मतदान को सुलभ और सुचारू बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई हैं।

कुमार ने कहा, "आपको हमारे मतदाताओं की श्रेणियों का अंदाज़ा देने के लिए बता दूँ कि असम, केरल, यहाँ तक कि पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में हमारे पास 100 साल से ज़्यादा उम्र के, यानी शतायु मतदाता भी हैं। 85 साल से ज़्यादा उम्र के मतदाताओं की संख्या भी अच्छी-खासी है... कुल मिलाकर 2.18 लाख पोलिंग स्टेशन बनाए जाएँगे। इनमें से ज़्यादातर ग्रामीण इलाकों में होंगे। हर मतदाता के लिए औसत संख्या 750 से 850 के बीच होगी, और किसी भी हाल में यह 900 से ज़्यादा नहीं होगी। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मॉडल पोलिंग स्टेशन बनाए जाएँगे। कुछ पोलिंग स्टेशन खास तौर पर महिलाओं द्वारा संचालित होंगे। सभी पोलिंग स्टेशनों पर 100% वेबकास्टिंग की जाएगी। और कुछ पोलिंग स्टेशन हमारे दिव्यांग भाई-बहनों द्वारा भी संचालित किए जाएँगे।"

'एक ही चरण में...', पांच राज्यों में चुनाव की तारीखों पर विपक्ष ने उठाए सवाल

असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं सामने आने लगी हैं. भाजपा ने चुनाव कार्यक्रम का स्वागत करते हुए भरोसा जताया कि जनता विकास, स्थिरता और सुशासन के पक्ष में मतदान करेगी. भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने X पोस्ट में लिखा, 'पांचों राज्यों के चुनाव की तारीखों की घोषणा के साथ ही एनडीए और भाजपा के कार्यकर्ता आगामी चुनावों के लिए पूरी तरह तैयार हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक ओर जहां असम और पुडुचेरी में पुनः एनडीए की सरकार बनने जा रही है, वहीं दूसरी ओर पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरलम में भी जनता के आशीर्वाद से एनडीए की विजय का मार्ग प्रशस्त हो रहा है.' भारतीय जनता पार्टी के महासचिव तरुण चुग ने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का महापर्व होते हैं, जो जनता की भागीदारी को मजबूत करते हैं और विकास तथा जनकल्याण के नए रास्ते खोलते हैं. उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि इन राज्यों के जागरूक मतदाता लोकतांत्रिक मूल्यों को कायम रखते हुए विकास और स्थिरता के पक्ष में स्पष्ट जनादेश देंगे. भाजपा प्रवक्ता प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि चुनाव कार्यक्रम घोषित होने के साथ ही पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ टीएमसी के लिए रिवर्स काउंटडाउन शुरू हो गया है.

'सदन में कोई नियमों से ऊपर नहीं' – पीएम मोदी

लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने पीएम मोदी के पत्र को लेकर कहा कि वे संसद की मूल प्रकृति- संवाद, तर्क और विचार-विमर्श में गहरा विश्वास रखते हैं. पीएम मोदी ने लोकसभा स्पीकर के नाम एक पत्र में कहा कि लोकसभा में आपके विरुद्ध लाया गया अविश्वास प्रस्ताव सदन में खारिज हो गया. जिस प्रकार सदन ने स्पष्ट रूप से इस राजनीतिक कुकृत्य को अस्वीकार किया, इसके लिए मैं सदन के सदस्यों को भी बधाई देता हूं.

पीएम मोदी के पत्र को शेयर करते हुए लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि भारत के संसदीय लोकतंत्र के नियमों, प्रक्रियाओं और परंपराओं के प्रति आपका हमेशा अटूट विश्वास रहा है. आपका पत्र लोक सेवा के उन उच्चतम नैतिक मूल्यों को व्यक्त करता है, जिन्हें आपने अपने दीर्घ सार्वजनिक जीवन में जीया है. वर्तमान में भारत के प्रधानमंत्री के रूप में तथा इससे पूर्व गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में. मुझे विश्वास है कि आप आगे भी इसी निष्ठा, धैर्य और निष्पक्षता के साथ लोकसभा का संचालन करते रहेंगे. लोकतांत्रिक संस्थाओं की प्रतिष्ठा को बनाए रखना और उन्हें और मजबूत करना हम सभी की साझा जिम्मेदारी है. आप इस दायित्व का निर्वहन जिस गरिमा और समर्पण के साथ कर रहे हैं, वह निश्चित ही हमारे संसदीय लोकतंत्र को और सुदृढ़ बनाएगा.

'भारत इसे लागू नहीं करेगा', राहुल गांधी पर अमित शाह का पलटवार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को असम के अपने दौरे के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और विपक्षी राजनीति के तौर-तरीकों पर जमकर निशाना साधा। शाह ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी और उनकी पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नीचा दिखाने के प्रयास में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की छवि खराब कर रहे हैं। यह हमला दिल्ली में आयोजित AI इम्पैक्ट समिट 2026 के दौरान भारतीय युवा कांग्रेस के "बिना शर्ट के विरोध प्रदर्शन" और संसद की सीढ़ियों पर राहुल गांधी के आचरण को लेकर किया गया। अमित शाह ने संसद की सीढ़ियों पर राहुल गांधी के विरोध प्रदर्शन के तरीके पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा: "संसद लोकतंत्र का एक पवित्र मंदिर है। राहुल गांधी वहां सीढ़ियों पर बैठकर 'चाय-पकौड़े' खा रहे थे। क्या उन्हें यह भी नहीं पता कि नाश्ता कहाँ करना चाहिए? हम भी कभी विपक्ष में थे, विरोध प्रदर्शन भी किए, लेकिन उसके लिए एक सही मंच और मर्यादा होती है।" शाह ने आगे कहा कि AI समिट जैसे वैश्विक मंच पर बिना कपड़ों के प्रदर्शन करना सीधे तौर पर देश की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की साजिश है, जिसे भारत की जनता कभी माफ नहीं करेगी। स्वास्थ्य फंड के गलत इस्तेमाल का आरोप। कांग्रेस की आलोचना के साथ-साथ, शाह ने असम में पार्टी के पिछले शासन के रिकॉर्ड पर भी हमला बोला, खासकर स्वास्थ्य क्षेत्र में। उन्होंने आरोप लगाया कि एक दशक पहले राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था बहुत खराब हालत में थी और दावा किया कि पिछली कांग्रेस सरकारों ने जन कल्याण के बजाय नेताओं के परिवारों की "आर्थिक सेहत" को ज़्यादा प्राथमिकता दी।

मेरठ में 'फर्जी IAS' मामला बना उलझन

मेरठ के नौचंदी थाना क्षेत्र की पुलिस ने जिस व्यक्ति को गिरफ्तार किया और फर्जी IAS बताया. अब पुलिस के इन दावों की हवा निकल गई. आरोपी के परिजनों ने असली अधिकारी होने के सबूत पेश किए और डॉक्यूमेंट्स भी दिखाए. आननफानन में आरोपी को पुलिस ने रिहा कर दिया.मेरठ के नौचंदी थाने की पुलिस ने राहुल कौशिक नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया था. पुलिस ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि राहुल खुद को IAS अधिकारी बताकर लोगों को धमकाता था. कॉल करके कई बार अफसरों को भी झांसे में लेता था. SP सिटी आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि राहुल कौशिक वर्तमान में किसी पद पर नहीं हैं. परिवार द्वारा दी गई जानकारी को भी जांच में शामिल करके कार्रवाई की जाएगी. परिवार ने कुछ फोटो दिखाए हैं. इनमें से एक फोटो तत्कालीन उपराष्ट्रपति के साथ स्पेशल फाउंडेशन कोर्स के दौरान की है.ब्यूरो ऑफ पार्लियामेंट्री स्टडीज एंड ट्रेनिंग का सर्टिफिकेट भी परिजनों ने दिखाया है. वहीं उस समय अखबार में जो खबर UPSC के रिजल्ट को लेकर छपी थी, उसकी कटिंग भी परिजनों ने दी है. मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है. पुलिस के फर्जी IAS के दावे की आरोपी के परिजनों ने हवा निकाल दी. परिवार ने बताया कि राहुल कौशिक ने 2008 में UPSC परीक्षा पास की थी. उन्हें इंडियन पोस्टल सर्विस मिला था. उनकी 728वीं रैंक थी. इससे पुलिस की कार्यशैली पर भी सवाल उठ रहे हैं.

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4- अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

ईरानी गार्ड की कड़ी चेतावनी,

नेतन्याहू को निशाना बनाने की धमकी

ईरान और इज़राइल के बीच बढ़ते तनाव के बीच ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को लेकर कड़ा बयान दिया है। IRGC ने दावा किया है कि वह नेतन्याहू का पीछा जारी रखेगा और उन्हें निशाना बनाएगा। इस बीच सोशल मीडिया पर नेतन्याहू के एक वीडियो को लेकर एआई जनित होने की अफवाहें भी सामने आई हैं, जिन्हें इज़राइल ने खारिज कर दिया है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में छिड़ा युद्ध अब एक बेहद व्यक्तिगत और घातक मोड़ पर आ गया है। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) ने रविवार को इज़राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को सीधे तौर पर जान से मारने की धमकी दी है। ईरान की अर्ध-सरकारी 'फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी' के अनुसार, IRGC ने कसम खाई है कि वे नेतन्याहू का पीछा तब तक करेंगे जब तक उन्हें खत्म नहीं कर देते।

इज़राइली पीएम की मौत की अफवाहों के बीच IRGC का यह बयान काफी आक्रामक है। बयान में कहा गया:"अगर इज़राइली प्रधानमंत्री (नेतन्याहू) अभी भी ज़िंदा हैं, तो हम उनका पीछा करना जारी रखेंगे और उन्हें अपनी पूरी ताक़त से मार डालेंगे।" यह धमकी उन दावों के बाद आई है जिसमें नेतन्याहू के एक वीडियो को AI जनित (Deepfake) बताया गया था। सोशल मीडिया पर यूज़र्स ने दावा किया कि वीडियो में नेतन्याहू की 'छठी उंगली' दिख रही है, जो AI ग्लिच का संकेत है। हालांकि, इज़राइली पीएमओ ने इन दावों को 'फेक न्यूज़' करार देते हुए कहा है कि प्रधानमंत्री पूरी तरह ठीक हैं।अनादोलु एजेंसी के एक सवाल के जवाब में, प्रधानमंत्री कार्यालय ने इन रिपोर्टों को ख़ारिज करते हुए कहा, "ये फ़ेक न्यूज़ हैं; प्रधानमंत्री पूरी तरह ठीक हैं"। यह अटकलें तब शुरू हुईं जब शुक्रवार को नेतन्याहू ने अपने 'X' (पहले ट्विटर) अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो में वह इज़राइल-अमेरिका-ईरान के बीच चल रहे संकट को लेकर एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए दिखाई दे रहे थे। वीडियो पोस्ट किए जाने के कुछ ही समय बाद, कुछ यूज़र्स ने दावा किया कि जब नेतन्याहू ने कुछ देर के लिए अपना दाहिना हाथ ऊपर उठाया, तो उन्हें उनके हाथ में छह उंगलियाँ जैसी कोई चीज़ दिखाई दी।

वीडियो में लगभग 35 सेकंड के समय पर, छोटी उंगली के पास मांस का एक छोटा सा अतिरिक्त टुकड़ा दिखाई दिया, जिसे कुछ दर्शकों ने छठी उंगली मान लिया। उन्होंने यह भी कहा कि यह A I (आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस) से बनी किसी इमेज में आने वाली एक आम तकनीकी गड़बड़ी (glitch) हो सकती है। ये अफ़वाहें तब सामने आईं जब 28 फ़रवरी को ईरान पर अमेरिका और इज़राइल के संयुक्त हमलों के बाद इस क्षेत्र में तनाव काफ़ी बढ़ गया था। रिपोर्ट के अनुसार, IRGC ने यह भी बताया कि इन हमलों में इराक़ के एरबिल स्थित अल-हरीर हवाई अड्डे के साथ-साथ कुवैत के अली अल-सलेम और आरिफ़जान ठिकानों को निशाना बनाया गया था। फ़ार्स न्यूज़ एजेंसी द्वारा जारी एक बयान में, IRGC ने दावा किया कि इन ठिकानों पर "ईरान की शक्तिशाली मिसाइलों और ड्रोनों" से हमला किया गया था।

हिजबुल्लाह ठिकाने और ड्रोन बेस तबाह होने का दावा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

इजरायल ने अब ईरान के बाद लेबनान में भी बड़े हमले शुरू कर दिए हैं। ख़बरों के मुताबिक इजरायली सेना ने बेरुत में एयर स्ट्राइक कर हिजबुल्लाह के कई अहम ठिकानों को निशाना बनाया है। इन हमलों में संगठन के खास कमांड सेंटर और मिसाइल लॉन्च साइट्स को तबाह करने का दावा किया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इजरायली सेना ने अपने ऑपरेशन के दौरान हिजबुल्लाह की चर्चित राडवान फोर्स के कमांड सेंटर को भी बेअसर करने की बात कही है। इसके साथ ही दक्षिणी लेबनान के अल-कतरनी इलाके में मौजूद कई लॉन्च साइट्स पर भी हमला किया गया। इन लगातार हो रहे हमलों से इलाके में भारी तबाही हुई है और मरने वालों की संख्या 826 के पार पहुंचने की खबर है। बताया जा रहा है कि यह कार्रवाई हिजबुल्लाह की सैन्य ताकत और ऑपरेशनल क्षमताओं को कमजोर करने के लिए चलाए जा रहे बड़े सैन्य अभियान का हिस्सा है। मिडिल ईस्ट में बढ़ते इस संघर्ष ने पूरे क्षेत्र में चिंता बढ़ा दी है। इजरायली वायु सेना (आईएएफ) ने रविवार को ईरान पर किए गए अपने हमले को लेकर बड़ा दावा किया है। इजरायल के मुताबिक उसके लड़ाकू विमानों ने हवाई हमले में ईरान के एक ड्रोन स्टोरेज (भंडारण) ठिकाने को पूरी तरह तबाह कर दिया। आईएएफ का कहना है कि इस हमले में ईरान को भारी नुकसान हुआ है और कुछ ईरानी सैनिक भी मारे गए हैं। सेना के अनुसार यह कार्रवाई खुफिया जानकारी के आधार पर की गई थी। बताया गया कि यह ड्रोन भंडारण स्थल पश्चिमी ईरान में एक लॉन्च साइट के अंदर बनाया गया था। इजरायली वायु सेना के मुताबिक हमले के बाद वहां मौजूद ईरानी सैनिकों में अफरा-तफरी मच गई। जो सैनिक बचने के लिए इधर-उधर भाग रहे थे, उन्हें भी इजरायली लड़ाकू विमानों ने ट्रैक कर निशाना बनाया।

98वें एकेडमी अवॉर्ड्स का भव्य समारोह

ट्रंप ने ठुकराई जेलेंस्की की ड्रोन रोकने की पेशकश,ईरान ने यूक्रेन को दी चेतावनी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मिडिल ईस्ट में गहराते युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की के रिश्तों में कड़वाहट बढ़ती दिख रही है। जेलेंस्की ने हाल ही में अमेरिका और उसके सहयोगियों को ईरानी 'शाहिद' ड्रोन्स को गिराने में मदद की पेशकश की थी। उन्होंने कहा था कि यूक्रेन के पास रूसी हमलों के दौरान इन ड्रोन्स को रोकने का बड़ा अनुभव है, जिसे वे कतर, सऊदी अरब और यूएई जैसे देशों के साथ साझा करने के लिए अपनी टीमें भी भेज चुके हैं। शनिवार, 14 मार्च को एनबीसी न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में ट्रंप ने जेलेंस्की के इस प्रस्ताव को सीधे तौर पर खारिज कर दिया। ट्रंप ने तीखे शब्दों में कहा, 'हमें उनकी मदद की जरूरत नहीं है।' उन्होंने आगे यहां तक कह दिया कि जेलेंस्की आखिरी व्यक्ति हैं जिनसे वे मदद मांगना चाहेंगे। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिका के पास दुनिया की सबसे बेहतरीन ड्रोन तकनीक है और वे इसे संभालने में सक्षम हैं। इसके साथ ही ट्रंप ने जेलेंस्की की आलोचना करते हुए उन्हें 'डील करने में मुश्किल' इंसान बताया और कहा कि रूसी राष्ट्रपति पुतिन तो समझौते के लिए तैयार हैं, लेकिन जेलेंस्की नहीं। जेलेंस्की की इस पेशकश पर ईरान ने भी कड़ा रुख अपनाया है। एक ईरानी राजनेता ने चेतावनी दी है कि यदि यूक्रेन ने ईरानी ड्रोन्स के खिलाफ तकनीक या विशेषज्ञों की मदद दी, तो पूरा यूक्रेन ईरान के लिए एक 'वैध और कानूनी सैन्य लक्ष्य' बन जाएगा। ईरान का आरोप है कि कीव प्रशासन इस युद्ध में सीधे तौर पर अमेरिका और इजराइल का साथ दे रहा है।

नेपाल में भारतीयों को लेकर जा रही बस पलटी 7 की मौत

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

नेपाल में भारतीय श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक बस खाई में पलट गई। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हैं। फिलहाल घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। ये हादसा मध्य नेपाल इलाके में हुआ है। मिली जानकारी के मुताबिक इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हैं। पुलिस ने इस हादसे के बारे में जानकारी दी है। पुलिस का कहना है कि सूचना मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। फिलहाल घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। जानकारी के मुताबिक नेपाल के मध्य क्षेत्र में भारतीय तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक यात्री बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा सात अन्य लोग घायल भी बताए जा रहे हैं। पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार को नेपाल के गंडकी प्रांत में हुई। पुलिस के अनुसार, तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस मनकामना मंदिर से लौट रही थी। इसी दौरान गोरखा जिले में बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे खाई में गिर गई। गोरखा जिले के जिला यातायात पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज आर्यल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी मृतक भारतीय नागरिक हैं। जिला पुलिस कार्यालय प्रमुख भरत बहादुर बीके के ने बताया कि इस हादसे में मरने वालों की पहचान मुथु कुमार (58), अनामलिक (58), मीनाक्षी (59), शिवगामी (53), विजयल (57), मीना (58) और तमिलारसी (60) के रूप में की गई है। वहीं 'काठमांडू पोस्ट' की रिपोर्ट के अनुसार, सात अन्य घायल यात्रियों को बचा लिया गया है। सभी घायल व्यक्तियों को आंबुखैरेनी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।'हिमालयन टाइम्स' के अनुसार, इलेक्ट्रिक बस का चालक बाल-बाल बच गया, जबकि उसका सहायक इस हादसे में घायल हो गया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

आम आदमी पार्टी ने 14 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

असम विधानसभा चुनाव

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम विधानसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी ने रविवार को अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने 14 नामों का ऐलान किया है, जिनमें राज्य उपाध्यक्ष अनुरूपा डेकाराजा का नाम भी शामिल है। खास बात यह है कि इस पहली लिस्ट के सभी उम्मीदवार ब्रह्मपुत्र घाटी के इलाकों से ताल्लुक रखते हैं आम आदमी पार्टी के राज्य प्रभारी राजेश शर्मा द्वारा जारी की गई सूची के अनुसार, अनुरूपा डेकाराजा गुवाहाटी सेंट्रल सीट से चुनाव लड़ेंगी। वहीं, रेणुका तिमुंगपी को बोकाजान से उम्मीदवार बनाया गया है। अन्य प्रमुख नामों में अच्युत दास (नाओबोइचा), तपन गोगोई (शिवसागर), जाहिदुल इस्लाम खान (चेंगा), पल्लव सैकिया (टीटाबोर) और जिन्ना आमीर हुसैन (पूर्वी गोलपारा) शामिल हैं। 'आप' इस बार असम में बिना किसी गठबंधन के अकेले चुनाव मैदान में उतर रही है। असम

की 126 सदस्यीय विधानसभा में वर्तमान में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है जिसके पास 64 सीटें हैं। भाजपा के सहयोगी दलों, असम गण परिषद (9), यूपीपीएल (7) और बीपीएफ (3) को मिलाकर सत्ता पक्ष काफी मजबूत है। दूसरी ओर, विपक्ष में कांग्रेस के पास 26, एआईयूडीएफ के पास 15 और माकपा का 1 विधायक है। आम आदमी पार्टी की कोशिश इस बार राज्य में अपना खाता खोलने की है। असम में विधानसभा चुनाव केवल एक ही चरण में 9 अप्रैल को संपन्न होंगे। निर्वाचन आयोग ने स्पष्ट किया है कि 20 मई को विधानसभा का कार्यकाल खत्म होने से पहले चुनावी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। राज्य के करीब 2.5 करोड़ मतदाता अपनी सरकार चुनेंगे और इस महासंग्राम के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

संपादक की कलम से

भारत में चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि यह लोकतंत्र के सबसे बड़े उत्सव के रूप में भी देखे जाते हैं। आने वाले समय में देश के कई राज्यों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, जिन पर पूरे देश की नजरें टिकी हुई हैं। ये चुनाव न केवल राजनीतिक दलों की ताकत और रणनीति की परीक्षा होंगे, बल्कि मतदाताओं की जागरूकता और लोकतांत्रिक मूल्यों की भी कसौटी साबित होंगे।भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में चुनाव कराना अपने आप में एक बड़ी चुनौती है। करोड़ों मतदाताओं, लाखों मतदान केंद्रों और बड़ी संख्या में चुनाव कर्मियों के साथ यह पूरी प्रक्रिया लोकतंत्र की मजबूती को दर्शाती है। चुनाव आयोग द्वारा पारदर्शिता और निष्पक्षता बनाए रखने के लिए लगातार नए कदम उठाए जा रहे हैं, जैसे मतदान केंद्रों पर वेबकास्टिंग, सुरक्षा व्यवस्था और मतदाताओं के लिए बेहतर सुविधाएं।आगामी चुनावों में राजनीतिक दल अपनी-अपनी रणनीतियों के साथ मैदान में उतर रहे हैं। हर दल जनता के सामने अपने वादे और योजनाएं पेश कर रहा है। विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था जैसे मुद्दे चुनावी बहस के केंद्र में हैं। हालांकि, यह भी जरूरी है कि चुनावी राजनीति केवल आरोप-प्रत्यारोप और व्यक्तिगत हमलों तक सीमित न रह जाए, बल्कि वास्तविक मुद्दों पर चर्चा हो।इन चुनावों में मतदाताओं की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र की असली ताकत जनता के वोट में ही निहित होती है। जब मतदाता सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ अपने मताधिकार का उपयोग करते हैं, तभी एक मजबूत और जवाबदेह सरकार का गठन संभव हो पाता है। इसलिए यह आवश्यक है कि लोग किसी भी प्रकार के लालच, दबाव या भ्रम से दूर रहकर अपने विवेक के आधार पर मतदान करें।इसके साथ ही राजनीतिक दलों की भी जिम्मेदारी है कि वे चुनावी मर्यादाओं का पालन करें और समाज में सौहार्द बनाए रखें। चुनाव लोकतंत्र का उत्सव है और इसे स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना के साथ मनाया जाना चाहिए।

पाँच राज्यों में विधानसभा चुनाव का ऐलान

9 अप्रैल से मतदान और 4 मई को मतगणना

भारत निर्वाचन आयोग ने असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में होने वाले विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान कर दिया है। इन राज्यों में मतदान 9 अप्रैल से शुरू होगा और सभी सीटों की मतगणना 4 मई को की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया को पारदर्शी और सुचारू बनाने के लिए 2 लाख से अधिक मतदान केंद्र और 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की व्यवस्था की जाएगी।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारत निर्वाचन आयोग (ECI) 15 मार्च (रविवार) को शाम 4:00 बजे एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए मतदान कार्यक्रम की घोषणा की। इसके अनुसार, मतदान 9 अप्रैल को शुरू होगा और वोटों की गिनती 4 मई को होगी। चुनाव आयोग के अनुसार, असम, केरल और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव एक ही चरण में 9 अप्रैल को होंगे। तमिलनाडु में मतदान 23 अप्रैल को होगा। वहीं, पश्चिम बंगाल में चुनाव दो चरणों में होंगे, जिसमें मतदान 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को निर्धारित है। आयोग ने बताया कि सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश के वोटों की गिनती 4 मई को होगी।

1. असम - मतदान की तिथि - 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई
2. तमिलनाडु - मतदान की तिथि - 23 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई
3. पश्चिम बंगाल - मतदान की तिथि - 23 अप्रैल (पहला चरण), 29 अप्रैल (दूसरा चरण); मतगणना की तिथि - 4 मई
4. केरल - मतदान की तिथि - 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई
5. पुडुचेरी - मतदान की तिथि - 9 अप्रैल; मतगणना की तिथि - 4 मई

इसके अलावा चुनाव आयोग ने बताया कि असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी में विधानसभा चुनाव कराने के लिए लगभग 25 लाख चुनाव अधिकारियों को तैनात किया जाएगा। इन कर्मियों में मतदान कर्मचारी, सुरक्षा बल और प्रशासनिक अधिकारी शामिल होंगे, जो चुनाव प्रक्रिया के विभिन्न पहलुओं को संभालने और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होंगे कि मतदान स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो। चुनाव आयोग ने कहा कि चुनाव वाले पाँच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में 2.19 लाख से ज़्यादा मतदान केंद्र बनाए जाएँगे। अधिकारियों ने बताया कि मतदाताओं के लिए मतदान को सुलभ और सुचारू बनाने के लिए व्यापक तैयारियाँ की गई हैं। मतदान केंद्रों की यह बड़ी संख्या, अलग-अलग भौगोलिक क्षेत्रों में होने वाली इस चुनावी प्रक्रिया के विशाल पैमाने को दर्शाती है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि भारत निर्वाचन आयोग, मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और निगरानी को मज़बूत करने के लिए, 2026 के विधानसभा चुनावों के दौरान चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश के सभी मतदान केंद्रों पर 100 प्रतिशत वेबकास्टिंग की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि चार राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले चुनावों को 20 से ज़्यादा देशों के चुनाव आयोगों के प्रतिनिधि भी देखेंगे। इन प्रतिनिधियों को भारत में चुनावों के "उत्सवपूर्ण, पारदर्शी और कुशल" संचालन को देखने के लिए आमंत्रित किया गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को पाँच राज्यों और एक केंद्र शासित प्रदेश में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों के पैमाने के बारे में बताया, और इस पूरी प्रक्रिया को "चुनावों का त्योहार" कहा। एक प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए कुमार ने कहा कि इन चुनावों में 824 विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 17.4 करोड़ मतदाता हिस्सा लेंगे, जिससे यह देश की सबसे बड़ी चुनावी प्रक्रियाओं में से एक बन जाएगा। चुनाव आयोग की प्रेस कॉन्फ्रेंस: ज्ञानेश कुमार ने तैयारियों के पैमाने और खास इंतज़ामों की जानकारी दी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने रविवार को कहा कि आने वाले विधानसभा चुनावों में सभी के लिए पहुँच और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर इंतज़ाम किए जाएँगे। साथ ही, उन्होंने मतदाताओं की विविधतापूर्ण प्रोफ़ाइल पर भी रोशनी डाली। कुमार ने कहा, "आपको हमारे मतदाताओं की श्रेणियों का अंदाज़ा देने के लिए बता दूँ कि असम, केरल, यहाँ तक कि पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में हमारे पास 100 साल से ज़्यादा उम्र के, यानी शतायु मतदाता भी हैं। 85 साल से ज़्यादा उम्र के मतदाताओं की संख्या भी अच्छी-खासी है... कुल मिलाकर 2.18 लाख पोलिंग स्टेशन बनाए जाएँगे। इनमें से ज़्यादातर ग्रामीण इलाकों में होंगे। हर मतदाता के लिए औसत संख्या 750 से 850 के बीच होगी, और किसी भी हाल में यह 900 से ज़्यादा नहीं होगी। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मॉडल पोलिंग स्टेशन बनाए जाएँगे। कुछ पोलिंग स्टेशन खास तौर पर महिलाओं द्वारा संचालित होंगे। सभी पोलिंग स्टेशनों पर 100% वेबकास्टिंग की जाएगी। और कुछ पोलिंग स्टेशन हमारे दिव्यांग भाई-बहनों द्वारा भी संचालित किए जाएँगे।"

छह राज्यों की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान, 9 और 23 अप्रैल को मतदान

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

चुनाव आयोग ने बताया है कि महाराष्ट्र और गुजरात की विधानसभा सीटों पर दूसरे चरण में मतदान होना है। वहीं, अन्य चार राज्यों में उपचुनाव पहले चरण में होंगे। चुनाव आयोग ने चार राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। सभी राज्यों में मतदान अप्रैल के महीने में होंगे। इसके साथ ही छह राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान भी किया गया है। महाराष्ट्र की दो गुजरात की एक विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। वहीं, गोवा, नागालैंड और त्रिपुरा की एक-एक सीट उपचुनाव होना है। कर्नाटक में दो सीटों पर उपचुनाव होंगे। ये सभी सीटें तत्कालीन विधायकों के निधन से खाली हुई हैं। चुनाव आयोग के अनुसार उपचुनाव दो चरण में होंगे। गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में पहले चरण में 9 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं, महाराष्ट्र और गुजरात में दूसरे चरण में 23 अप्रैल को मतदान होना है। अजित पवार की बारामती सीट पर दूसरे चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा। अजित पवार के निधन के बाद उनकी जगह उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाली सुनेत्रा पवार का इस सीट से चुनाव लड़ना तय है। वह एनसीपी विधायक दल की अध्यक्ष भी हैं। ऐसे में उनके लिए इस चुनाव में जीत हासिल करना बहुत मुश्किल नहीं होगा। गोवा, कर्नाटक, नगालैंड और त्रिपुरा की पांच सीटों पर 9 अप्रैल को वोटिंग होनी है। इस सीटों के लिए नोटिफिकेशन चुनाव का ऐलान होने के साथ ही जारी हो चुका है। नामांकन की आखिरी तारीख 23 मार्च है। 24 मार्च को नामों की छटनी होगी। नाम वापस लेने के लिए आखिरी दिन 26 मार्च है। नतीजों

का ऐलान 4 मई को होगा।

पीएम मोदी को लिखा पत्र

राहुल गांधी ने कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग उठाई

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की है। उन्होंने पीएम मोदी को पत्र लिखकर अपनी मांग सामने रखी है। राहुल गांधी कई दिनों से कांशीराम के समर्थन में बयानबाजी कर रहे हैं। इससे पहले उन्होंने कहा था कि अगर नेहरू जीवित होते तो कांग्रेस की तरफ से कांशीराम को मुख्यमंत्री बनाया जाता। हालांकि, यूपी सरकार के मंत्री ने कहा कि कांशीराम ने कांग्रेस के विरोध में ही बहुजन समाज पार्टी बनाई थी। राहुल गांधी ने शुक्रवार को दावा किया था कि अगर भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जीवित रहे होते तो कांशीराम कांग्रेस की तरफ से उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री होते। उन्होंने हालांकि यह भी कहा कि कांग्रेस ने अपना काम ठीक से किया होता तो कांशीराम कभी सफल नहीं होते। नेहरू का निधन 1964 में हुआ था। वहीं कांशी राम 1978 में पिछड़े वर्गों के हितों की वकालत करने वाले संगठन बामसेफ की स्थापना के साथ राजनीतिक परिदृश्य में उभरे। इसके बाद उन्होंने 1984 में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) का गठन किया। राहुल गांधी ने कांशीराम की जयंती (15 मार्च) से दो दिन पूर्व इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित संविधान सम्मेलन में डॉक्टर भीमराव आंबेडकर और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के संस्थापक कांशीराम की सराहना की। राहुल ने कहा, "कांशीराम जी समाज में बराबरी की बात करते थे। कांग्रेस अपना काम पूरी तरह से नहीं कर सकी। यही कारण है कि कांशीराम जी सफल हुए। अगर कांग्रेस ठीक तरह से काम करती तो कांशीराम जी कभी सफल न होते।" उन्होंने कहा, "अगर जवाहर लाल नेहरू जी जिंदा रहे होते तो कांशीराम जी कांग्रेस के मुख्यमंत्री होते।"

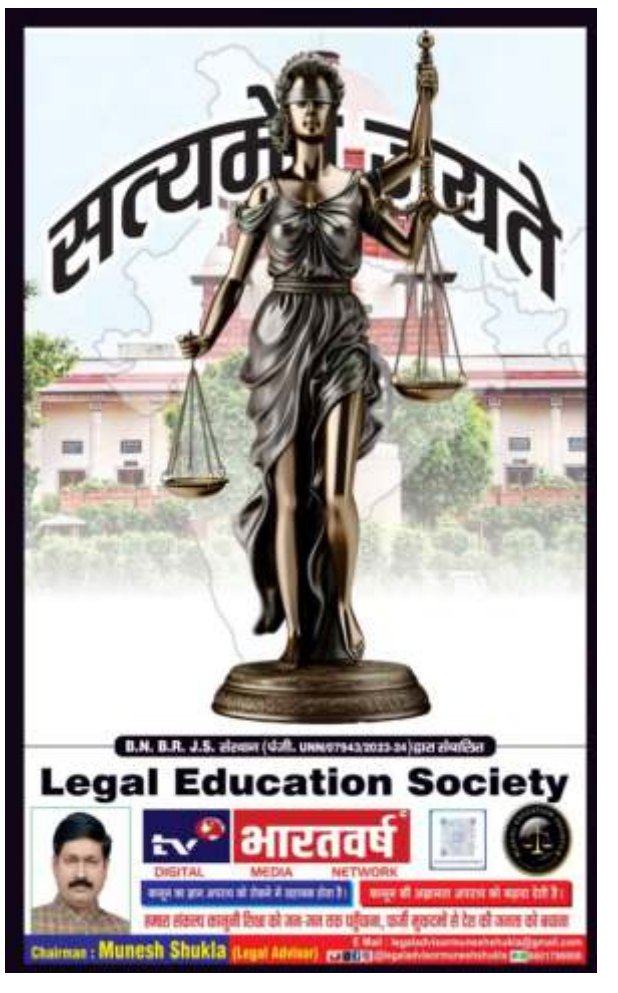

नई शिक्षा नीति के तहत डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा

स्कूलों में शुरू होंगे स्मार्ट क्लासरूम

देश में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के लिए सरकार लगातार नए कदम उठा रही है। इसी दिशा में नई शिक्षा नीति के तहत डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर स्कूलों में स्मार्ट क्लासरूम और डिजिटल लर्निंग की सुविधाएं उपलब्ध कराने की योजना पर काम कर रही हैं।शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, आने वाले समय में सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में आधुनिक तकनीक से लैस कक्षाएं शुरू की जाएंगी। इन स्मार्ट क्लासरूम में प्रोजेक्टर, इंटरैक्टिव बोर्ड, डिजिटल कंटेंट और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे विद्यार्थियों को पढ़ाई को बेहतर तरीके से समझने में मदद मिलेगी।विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को कठिन विषयों को समझने में आसानी होगी। विज्ञान, गणित और अन्य विषयों को वीडियो, ग्राफिक्स और एनिमेशन की मदद से समझाया जाएगा, जिससे पढ़ाई अधिक रोचक और प्रभावी बन सकेगी। इससे विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता भी बढ़ेगी।शिक्षा विभाग ने यह भी बताया कि शिक्षकों को भी नई तकनीक के उपयोग के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम और कार्यशालाएं आयोजित की जाएंगी, ताकि शिक्षक डिजिटल उपकरणों का सही तरीके से उपयोग कर सकें और विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा दे सकें।इसके अलावा, ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को भी डिजिटल शिक्षा से जोड़ने की योजना बनाई गई है। सरकार का लक्ष्य है कि हर छात्र तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचे और तकनीक के माध्यम से शिक्षा के स्तर को और बेहतर बनाया जा सके।शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इस योजना को प्रभावी तरीके से लागू किया गया, तो आने वाले वर्षों में देश की शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। इससे विद्यार्थियों को आधुनिक ज्ञान और कौशल हासिल करने में मदद मिलेगी, जो उनके भविष्य के लिए बेहद महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

स्कूलों और कॉलेजों में एआई शिक्षा की शुरुआत नई तकनीक सीखने का मिलेगा अवसर

देश में तेजी से बढ़ती तकनीक को देखते हुए अब स्कूलों और कॉलेजों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की पढ़ाई को बढ़ावा दिया जा रहा है। शिक्षा मंत्रालय और कई शैक्षणिक संस्थानों ने मिलकर छात्रों को एआई और नई डिजिटल तकनीकों से परिचित कराने की योजना बनाई है। इसका उद्देश्य छात्रों को भविष्य की तकनीकी दुनिया के लिए तैयार करना है।शिक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले समय में एआई का उपयोग लगभग हर क्षेत्र में बढ़ेगा, चाहे वह शिक्षा हो, स्वास्थ्य सेवाएं, उद्योग या सूचना प्रौद्योगिकी। ऐसे में छात्रों को शुरुआती स्तर पर ही इस तकनीक की जानकारी देना बेहद जरूरी हो गया है। इसी को ध्यान में रखते हुए कई स्कूलों में एआई से जुड़े बेसिक पाठ्यक्रम शुरू किए जा रहे हैं।नई पहल के तहत छात्रों को एआई की मूल अवधारणाओं, मशीन लर्निंग, डेटा विश्लेषण और ऑटोमेशन जैसे विषयों की जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही उन्हें प्रैक्टिकल प्रोजेक्ट और डिजिटल लैब के माध्यम से तकनीक को समझने का अवसर भी मिलेगा। इससे छात्र न केवल सैद्धांतिक ज्ञान प्राप्त करेंगे, बल्कि तकनीक का व्यावहारिक उपयोग भी सीख सकेंगे।कई शैक्षणिक संस्थान पहले ही एआई लैब स्थापित करने की दिशा में काम शुरू कर चुके हैं। इन लैब में आधुनिक कंप्यूटर सिस्टम, सॉफ्टवेयर और डिजिटल उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, ताकि छात्र नई तकनीकों के साथ प्रयोग कर सकें और अपनी समझ को बेहतर बना सकें।शिक्षकों को भी एआई से जुड़ी तकनीकों के उपयोग के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके लिए समय-समय पर कार्यशालाएं और प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि शिक्षक छात्रों को बेहतर तरीके से मार्गदर्शन दे सकें।

विश्वकप विजेताओं को बीसीसीआई का सम्मान, गिल और मंधाना बने वर्ष के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी

कब रिलीज होगा IPL 2026 के शेड्यूल का दूसरा फेज? राजीव शुक्ला ने दिया जवाब

आईपीएल 2026 के पहले फेज का शेड्यूल आ चुका है, जिसमें शुरुआती 20 मैचों का कार्यक्रम जारी किया था. अब टूर्नामेंट के दूसरे चरण के शेड्यूल को लेकर बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बड़ा अपडेट दिया. तो आइए जानते हैं कि दूसरे फेज का शेड्यूल कब जारी होगा. बता दें कि चुनाव आयोग ने रविवार (15 मार्च) को पांच राज्यों में होने वाले चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया है. चुनाव की तारीखों के चलते ही आईपीएल का शेड्यूल अलग-अलग चरण में जारी करने का प्लान बनाया गया था. बीते बुधवार (11 मार्च) को शेड्यूल के पहले चरण का एलान हुआ था राजीव शुक्ला ने कहा, "चुनाव की तारीखों का एलान हो गया है. चार स्थानों पर मतदान एक ही चरण में होगा और पश्चिम बंगाल में दो चरणों में होंगे. अब आईपीएल का शेड्यूल जल्द ही जारी होगा." इस साल (2026) एक केंद्र शासित प्रदेश सहित कुल 5 राज्यों में चुनाव होंगे, जिसके लिए निर्वाचन आयोग ने तारीखों का एलान किया. इन राज्यों में पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुडुचेरी शामिल है. बताते चलें कि पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और असम में आईपीएल के मुकाबले खेले जाते हैं. पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में ज्यादा मैच होते हैं, जबकि असम में कम मुकाबले होते हैं. पश्चिम बंगाल के कोलकाता (ईडन गार्डन स्टेडियम), तमिलनाडु के चेन्नई (एम चिदंबरम स्टेडियम) और असम के गुवाहटी में इंडियन प्रीमियर लीग के मैच होंगे.

RCB के तेज गेंदबाज यश दयाल ने शादी की पत्नी श्वेता पुंडीर कंटेंट क्रिएटर

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) के तेज गेंदबाज यश दयाल ने कंटेंट क्रिएटर श्वेता पुंडीर से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने 4 फरवरी को उत्तर प्रदेश के नोएडा में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए थे। शादी में क्रिकेट जगत से किसी के शामिल होने की खबर नहीं है। श्वेता पुंडीर दिल्ली की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और व्लॉगर हैं। इंस्टाग्राम पर उनके करीब 5.87 लाख फॉलोअर्स हैं। वे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड्स लीग में ब्रॉडकास्टर के तौर पर भी काम कर चुकी हैं। यश दयाल इस समय दो अलग-अलग मामलों में यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहे हैं। गाजियाबाद की एक महिला ने आरोप लगाया है कि दयाल ने शादी का झांसा देकर पांच साल तक उसका भावनात्मक और शारीरिक शोषण किया। इस शिकायत के बाद उनके खिलाफ रेप का मामला दर्ज हुआयश दयाल पर पिछले साल 2025 में रेप के 2 केस दर्ज हुए थे। गाजियाबाद की एक महिला ने दयाल पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और जयपुर की एक नाबालिक ने रेप का दर्ज कराया था।

बांग्लादेश के खिलाफ मैच में अजीब तरीके से रन आउट हुए सलमान अली आगा

इन दिनों पाकिस्तान और बांग्लादेश के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जा रही है. सीरीज के दूसरे मैच में पाकिस्तान के बल्लेबाज सलमान अली आगा बड़े ही अजीबो-गरीब ढंग से रन आउट होकर पवेलियन लौटे थे. आगा के रन आउट पर पूरी दुनिया मजे ले रही है, जिसमें अब पाकिस्तान की रावलपिंडी की पुलिस भी शामिल हो गई. 13 मार्च को खेले गए सीरीज के दूसरे मुकाबले में पाकिस्तान की बैटिंग के दौरान 39वें ओवर में रन आउट की घटना हुई. क्रीज पर मौजूद मोहम्मद रिजवान ने गेंद को हल्के हाथों से बॉलिंग कर रहे मेहदी हसन मिराज की तरफ खेला, जो नॉन स्ट्राइक एंड पर सलमान आगा के पास ही खड़े थे. सलमान को लगा कि गेंद डेड हो चुकी है. वह क्रीज के बाहर खड़े होकर गेंद उठाकर देने लगे. गेंद सलमान के हाथ में तो आई नहीं, लेकिन मिराज ने पूरी सतर्कता दिखाते हुए गेंद को स्टंप में मारकर अपील कर दी. अंपायर ने पाक बल्लेबाज को आउट करार दिया. सलमान 62 गेंदों में 64 रन बनाकर खेल रहे थे. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ. वीडियो में सलमान आगा अपनी गलती पर काफी गुस्से में दिखाई दिए.

हिजाब की बंदिशें पीछे छोड़ीं

ईरान की मरियम ने 'मैथ्स' से जीती दुनिया!

ईरान का नाम सुनते ही आज के दौर में मिसाइलें, जंग और पाबंदियों की तस्वीरें जेहन में उभरती हैं. लेकिन इसी ईरान की मिट्टी से एक ऐसी लड़की निकली थी, जिसने दुनिया को बताया कि अंकों की कोई सरहद नहीं होती. हम बात कर रहे हैं मरियम मिर्ज़ाखानी की. मरियम ने गणित की दुनिया में वो मुकाम हासिल किया जो आज तक कोई भारतीय महिला भी नहीं कर पाई. हैरानी की बात ये है कि जिस मरियम ने गणित का 'नोबेल' जीता, उन्हें बचपन में मैथ्स से नफरत थी.

तेहरान की गलियों में पली-बढ़ी मरियम एक लेखिका बनना चाहती थीं. वो घंटों कहानियां पढ़ती थीं. लेकिन स्कूल में एक टीचर ने जब उन्हें गणित की पहेली सुलझाना सिखाया, तो मरियम को समझ आया कि गणित भी तो एक कहानी ही है, बस इसमें शब्द नहीं, अंक

मरियम मिर्ज़ाखानी. (Photo AFP)

होते हैं. गणित की दुनिया का सबसे बड़ा इनाम होता है 'फील्ड्स मेडल'. बता दें कि फील्ड्स मेडल' को ही दुनिया भर में 'गणित का नोबेल' कहा जाता है क्योंकि यह इस क्षेत्र का सबसे प्रतिष्ठित और सर्वोच्च सम्मान है. सालों-साल तक इस पर पुरुषों का कब्जा रहा. लेकिन साल 2014 में मरियम ने इस तिलिस्म को तोड़ दिया. वो दुनिया की पहली महिला बनीं जिन्हें इस सम्मान से नवाजा गया. ईरान जैसे देश से निकलकर स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर बनने तक का उनका सफर आसान नहीं था, लेकिन उनकी कलम कभी नहीं रुकी.

मरियम की काम करने की शैली बड़ी अजीब और प्यारी थी.

वो फर्श पर बड़े-बड़े सफेद कागज बिछा देती थीं और घंटों उन पर चित्र बनाती रहती थीं. उनकी छोटी बेटी अक्सर उन्हें देखकर कहती थी, 'मम्मी फिर से पेंटिंग कर रही हैं.' असल में वो पेंटिंग नहीं, बल्कि गणित की वो पेचीदा गुत्थियां थीं जिन्हें सुलझाने में दुनिया के बड़े-बड़े वैज्ञानिक फेल हो गए थे. मरियम की जिंदगी किसी फिल्म की तरह थी, जिसका अंत बेहद भावुक रहा. जिस वक्त वो दुनिया को गणित का नया फलसफा दे रही थीं, उन्हें ब्रेस्ट कैंसर ने जकड़ लिया. साल 2017 में सिर्फ 40 साल की उम्र में मरियम इस दुनिया को अलविदा कह गईं. उनके जाने पर ईरान ने अपने कड़े नियम भी तोड़ दिए थे; वहां के अखबारों ने पहली बार बिना हिजाब वाली मरियम की फोटो फ्रंट पेज पर छापी थी. ⊙

डिक्की में बच्चे को ठूंसा और करने लगी ड्राइव

मध्यप्रदेश से एक चौंकाने वाला वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. वीडियो में एक महिला अपने छोटे बच्चे को स्कूटी के डिक्की में रखकर स्कूटी चलाती हुई दिखाई दे रही है. यह वीडियो इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया गया था, जिसके लाखों फॉलोअर्स हैं. वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स भड़क गए और बच्चे की सुरक्षा को खतरे में डालकर कंटेंट बनाने पर कड़ी आलोचना की. कई लोगों ने प्रशासन से ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की मांग भी की है. ⊙

वर्क-लाइफ बैलेंस के लिए युवाओं ने बदला काम का अंदाज़

Gen-Z में बढ़ा 'Lazy Girl Jobs' का क्रेज

आज का युवा वर्ग कड़ी मेहनत और तनावपूर्ण करियर के बजाय 'वर्क-लाइफ बैलेंस' को तरजीह दे रहा है. 'लेजी गर्ल जॉब्स' जैसे ट्रेंड्स दर्शाते हैं कि Gen-Z पेशेवर स्मार्ट वर्किंग, मानसिक शांति और व्यक्तिगत समय को सफलता का असली पैमाना मानने लगे हैं.

आज के समय में काम और करियर को लेकर युवा की सोच बदल रही है.

आज के समय में काम और करियर को लेकर युवा की सोच बदल रही है. पहले लोग मानते थे कि सफलता पाने के लिए ज्यादा मेहनत करनी, लंबे समय तक काम करने और हमेशा तेजी से काम करना जरूरी है. लेकिन अब कई युवा इस सोच को चुनौती दे रहे हैं. लेजी गर्ल जॉब्स नाम का वर्कप्लेस ट्रेंड यही दिखा रहा है कि सफलता हमेशा ज्यादा मेहनत करने से नहीं आती. कई युवा अब फ्लेक्सिबल काम के घंटे, बैलेंस वर्कलोड और बेहतर वर्क लाइफ बैलेंस को अपनी प्राथमिकता बना रहे हैं. उनका मानना है कि कम तनाव और व्यवस्थित काम करना भी आपको सफल बना सकता है. सोमवार सुबह 9:30 बजे, 26 साल की मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव रिया गुरुग्राम में अपने फ्लैट से अपने लैपटॉप में लॉग इन करती हैं. उनका शेड्यूल पहले से तय है- दो मीटिंग्स, एक कैंपेन अपडेट और शाम तक जमा करने वाली रिपोर्ट. शाम 5:30 बजे तक, रिया अपना लैपटॉप बंद कर देती हैं और योगा क्लास के लिए निकल जाती है. रिया की यह दिनचर्या पिछले साल के उसके काम से बहुत अलग है. पहले वह एक तनाव भरी कंसल्टिंग नौकरी करती थीं. ⊙

क्या है लेज़ी गर्ल जॉब्स?

लेज़ी गर्ल जॉब्स आज के दौर में ट्रेंडी शब्द है जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. इसका मतलब है ऐसी नौकरियां जो कम तनाव वाली हों, फ्लेक्सिबल काम के घंटे वाली और ओवरटाइम के बिना अच्छी सैलरी देने वाली हों. इन नौकरियों में आम तौर पर कम जिम्मेदारियां होती हैं जिससे नौकरी करने वाले लोग आराम से वर्क लाइफ बैलेंस कर सकते हैं. ⊙

युवक ने बजाई ऐसी धुन कि खिंची चली आईं भेड़-बकरियां

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक दिल छू लेने वाला वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में पाकिस्तान के एक संगीतकार पहाड़ों के बीच बैठकर मशहूर गाना 'कल हो ना हो' अपनी रुबाब पर बजाते दिखाई दे रहे हैं, लेकिन इस शांत संगीत ने सिर्फ इंसानों को ही नहीं, बल्कि जानवरों को भी अपनी ओर खींच लिया. यह वीडियो पाकिस्तानी संगीतकार सागर हयात ने इंस्टाग्राम पर शेयर किया है. वीडियो में वह एक ऊबड़-खाबड़ पहाड़ी इलाके में चट्टान पर बैठकर रुबाब बजाते नजर आते हैं. ⊙

दिल्ली में हनी सिंह के कॉन्सर्ट के दौरान बवाल,

फैंस और स्पॉन्सर टीम के बीच मारपीट

रविवार को सिंगर-रैपर यो यो हनी सिंह ने दिल्ली के इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम (IGI स्टेडियम) में अपना 'My Chapter-India Tour' शुरू किया है। इस समय कॉन्सर्ट के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। हनी सिंह के कॉन्सर्ट कई वीडियो में जबरदस्त परफॉर्मेंस दे रहे हैं, उन्होंने देसीकलाकर, ब्लू आइज, सनी-सनी, लुंगी डांस, मिलियनेर, डोप शोप और ब्राउन रंग जैसे हिट गाने को गाए हैं। हालांकि कॉन्सर्ट के बीच अचानक की कुछ ऐसा हुआ, जिससे अफरा-तफरी मच गई है। इंटरनेट पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें देखा जा रहा है कि फैंस और शो की स्पॉन्सर टीम के सदस्यों के बीच कथित तौर पर एक बड़ी लड़ाई छिड़ गई। इंस्टाग्राम पर एक पत्रकार ने वीडियो शेयर किया गया है जिसमें हनी सिंह के दिल्ली कॉन्सर्ट में लड़ाई हो रही है। वीडियो में देखा जा सकता है कि हनी सिंह के कॉन्सर्ट के दौरान स्पॉन्सर क्रू के सदस्यों और कुछ दर्शकों के बीच जबरदस्त हाथापाई देखी गई है। वायरल वीडियो में दोनों तरफ के लोग एक-दूसरे को जमकर मारते नजर आ रहे हैं। कहा-सुनी के बाद भीड़ में अफरा-तफरी मच गई है। लेकिन इस दौरान सिंगर हनी सिंह ने कथित तौर पर अपनी परफॉर्मेंस जारी रखी और ऐसा लगा कि उन्हें इस लड़ाई के बारे में कोई जानकारी नहीं थी।मीडिया खबरों के मुताबिक, हनी सिंह के कॉन्सर्ट में बवाल मचाने के बाद दिल्ली पुलिस पहुंची और उन्होंने तुरंत हालात को काबू में किया है। कई सुरक्षाकर्मियों ने लड़ाई शांत कराने में मदद की जिससे मामला और न बिगड़ जाए। लेकिन अभी तक इस मामले को लेकर सिंगर हनी सिंह की तरफ से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

कांशीराम की 92वीं जयंती पर मायावती का विपक्ष पर हमला

बसपा को 'असली पार्टी' बताया

बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की 92वीं जयंती पर पार्टी अध्यक्ष मायावती ने श्रद्धांजलि अर्पित की और भाजपा, कांग्रेस, तथा समाजवादी पार्टी पर बहुजन समाज के हितों के खिलाफ काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने बसपा को डॉ. अंबेडकर के विचारों पर चलने वाली "असली पार्टी" करार दिया। इस अवसर पर पार्टी ने विभिन्न राज्यों में बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया और संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने का आह्वान किया।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम की 92वीं जयंती पर पार्टी अध्यक्ष मायावती ने श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद विपक्ष पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा और कांग्रेस की तरह समाजवादी पार्टी भी बहुजन समाज की हितकारी नहीं है। इन दलों से बहुजन समाज के हित व कल्याण की आशा करना रेगिस्तान में पानी तलाशने जैसा है। इन पार्टियों के छलावा व दिखावा से सावधान रहना जरूरी है। बसपा सुप्रीमो ने मॉल एवेन्यू स्थित केंद्रीय कैंप कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में आह्वान किया कि बहुजन समाज के लोग बसपा मूवमेंट से जुड़कर मिशनरी अंबेडकरवादी बनें। अपने वोटों की शक्ति से सत्ता की मास्टर चाबी हासिल करें। बसपा ही डॉ. अंबेडकर के नक्शे-कदम पर चलने वाली 'असली पार्टी' है। सपा व अन्य विरोधी दलों की कथनी व करनी में बड़ा अंतर है। सांसदी और विधायकी आदि का प्रलोभन देकर बहुजन समाज के वोट की शक्ति को कमजोर करने वाले इन दलों के साथ निजी लाभ व स्वार्थ के लिए पार्टी व मूवमेंट से दगा करने वालों से भी दूरी रखनी जरूरी है। मायावती ने कहा कि दलितों, अन्य पिछड़ों व मुस्लिम समाज आदि का शोषण करने वाली पार्टियों में से खासकर सपा का पीडीए प्रेम छलावा है। इनको इन वर्गों व इनके महापुरुषों की याद केवल चुनाव के समय में ही आती है। सरकार बन जाने के बाद वह भी दूसरी पार्टियों की इन वर्गों का तिरस्कार कर देती है। यह कोई आरोप नहीं, बल्कि इन पार्टियों का इतिहास है। मुस्लिम समाज का इन पार्टियों से अलग होना तथा ब्राह्मण समाज के भी बसपा से जुड़ने से सपा का राजनीतिक व जातिवादी बैर बढ़ता जा रहा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की तरह वर्तमान भाजपा सरकार भी कांशीराम को भारत रत्न से सम्मानित करने में और देरी ना करे। समतामूलक समाज तैयार करने में कांशीराम का योगदान ऐतिहासिक है। इसी वजह से वह लोगों के दिलों में बसते हैं। उन्होंने बहुजन समाज को बसपा के बैनर तले एकजुट करके राजनीतिक शक्ति बनाई और यूपी जैसे महत्वपूर्ण राज्य में मुझे मुख्यमंत्री बनाया। मायावती के निर्देश पर राजधानी के कांशीराम स्मारक स्थल पर प्रदेश के 12 मंडलों और नोएडा में छह मंडलों के कार्यकर्ताओं और समर्थकों का जमावड़ा लगा। राजधानी में आयोजित कार्यक्रम को बसपा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वनाथ पाल समेत कई पदाधिकारियों ने संबोधित किया। इसके अलावा आठ अन्य राज्यों में भी पार्टी ने कांशीराम जयंती पर बड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया। पार्टी के केंद्रीय संयोजक आकाश आनंद ने राजस्थान के भरतपुर में जनसभा को संबोधित किया। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि इस आयोजन के माध्यम से संगठन को बूथ स्तर तक सक्रिय करने और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने की कोशिश की जा रही है। गौतमबुद्ध नगर में भी बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। यहां राष्ट्रीय दलित प्रेरणा स्थल पर कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने कांशीराम को श्रद्धांजलि देकर उनके विचारों को याद किया।

नगर पंचायत अध्यक्ष के बेटे को मारी गोली

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के मलिहाबाद में नगर पंचायत अध्यक्ष के बेटे के ऊपर जानलेवा हमला हुआ। हालांकि, फायर मिस होने से जान बच गई। 21 साल पहले पिता की हत्या हो चुकी है। मलिहाबाद के गढ़ी संजर खा गांव में रविवार को लगभग पांच बजे ईदगाह की साफ सफाई की स्थिति देखने पहुंचे बसपा पार्टी से नगर पंचायत अध्यक्ष असमत आरा के बेटे अहसन अजीज पर रंजिशन फायर झोंक दिया। फायर मिस होने से जान बच गई। भागने के दौरान दो बार उनकी कार पर गोली चलाई गई। मिर्जगिंज निवासी पीड़ित अहसन अजीज ने बताया कि पिछले एक हफ्ते से ईद की नमाज के लिए गढ़ी संजर खान गांव में ईदगाह की सफाई करा रहे हैं। वह ईदगाह कमेटी के वर्तमान में अध्यक्ष हैं। रविवार शाम को लगभग पांच बजे साफसफाई देखने के लिए कार से तीन साथियों के साथ गए थे। आरोप है कि वहां मौजूद मुन्ना, सोनू, शादाब, अलीम व पन्द्रह अजात लोग असलहा लहराते हुए गाली गलौज करने लगे। अजीज का आरोप है कि तभी सोनू ने सीने पर असलहा सटाकर फायर कर दिया। गनीमत यह रही कि फायर मिस हो गया। हमले से बचने के लिए कार में बैठकर भागने पर उक्त आरोपी सोनू ने कार से तीस हजार रुपये निकालते हुए आरोपी शादाब ने दो फायर फिर झोंक दिए।

इंस्पेक्टर सुरेंद्र सिंह भाटी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है। अहसन अजीज पर गोली चलने की खबर सुनकर कस्बे के सैकड़ों लोग थाने पर इकट्ठा हो गए और गिरफ्तारी की मांग करने लगे। पुलिस के आश्वासन पर वे शांत हुए।

दो दशक पूर्व अहसन अजीज के पिता मलिहाबाद के नगर पंचायत अध्यक्ष अजीज हसन खान की 15 नवंबर 2005 को मिर्जगिंज में एक शादी समारोह में चंदा खान ने रंजिशन गोली मारकर हत्या कर दी थी। पुलिस की जांच में ईदगाह गढ़ी संजर खान गांव में है और नगर पंचायत अध्यक्ष के बेटे अहसन उस ईदगाह की कमेटी के अध्यक्ष हैं, उसी को लेकर विवाद सामने आ रहा है। उक्त गांव के लोगों का कहना है कि जब ईदगाह मेरे गांव की है तो कमेटी के लोग भी हमारे गांव के रहेंगे। हालांकि, पूरे विवाद की जानकारी पुलिस कर रही है।

लखनऊ में सपाइयों का अनोखा विरोध प्रदर्शन

LPG गैस की किल्लत पर उपले बांटकर किया विरोध

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में सपाइयों ने LPG गैस की किल्लत के बीच उपले बांट कर अनोखा विरोध प्रदर्शन किया। विधान भवन के सामने बापू भवन चौराहे के पास जमीन पर बैठकर ढेर सारे उपले रखकर प्रदर्शनकारी चिल्ला रहे थे- उपले ले लो, उपले ले लो। सपाइयों को उपला बांटता देख मौके पर पुलिस पहुंच गई। प्रदर्शन कर रहे राम प्रकाश मौर्या ने कहा- सिलेंडर की कीमत से आम जनता परेशान है। सरकार को गरीबों की आम जनता की कोई चिंता नहीं है। भाजपा के अच्छे दिनों का सिलेंडर हमारे घरों के किचन से खाली हो गया है। हम लोग वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में विधान सभा पर निशुल्क उपले बांट रहे हैं। भारी मात्रा में हमारे पास उपले का स्टॉक मौजूद है। हमने अपने गांव के लोगों से कहकर उपले तैयार करवाए हैं। गांव से लाकर उपले शहरों में बांट रहे हैं। प्रतिदिन अपने गांव से उपले लाकर शहर में बाटेंगे और किसी को भी भूखा नहीं रहने देंगे। भाजपा भूख से तड़पा-तड़पा कर आम जनता को मारना चाहती है। ऐसे संकट के समय में हम देश के साथ खड़े हैं। हम नहीं चाहते हैं कि कोई भी भूखा सोए। प्रवेश यादव ने कहा- घरों से सिलेंडर गायब हो गए हैं। भाजपा के यही अच्छे दिन हैं। गैस एजेंसियों के बाहर लंबी-लंबी लाइन लगी हैं। यह बता रहे हैं कि 20 दिन का स्टॉक बचा है। यही अच्छे दिन भाजपा के हैं। हम लोग छात्र हैं। जानते है कि हॉस्टल

में और किराए पर रहने वाले छात्रों की स्थिति बेहद खराब है। उनके लिए चुनौती है। कहां से लकड़ी लाएं। कंडे की व्यवस्था करें। अयोध्या जैसी रसोई बंद हो गई। कोई भी एजेंसी देख लीजिए। लंबी-लंबी लाइन लगी है। कंडे की व्यवस्था करके भाजपा सरकार की आंख खोलने का काम करेंगे। समाजवादी छात्र सभा के लोगों को पुलिस ने उपले बांटने से रोका। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों प्रदर्शनकारियों को हिरासत में ले लिया। मौके पर पाए गए उपले भी जब्त कर लिए। प्रदर्शनकरियों ने पुलिस के ऊपर अभद्रता करने और उपला छीनने का आरोप लगाया है।

दरोगा भर्ती परीक्षा के नाम पर ठगी

अब तक पांच गिरफ्तार

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

उप निरीक्षक भर्ती परीक्षा के नाम पर अभ्यर्थियों से ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में अब तक पांच आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। एसटीएफ की मेरठ फील्ड यूनिट ने शनिवार रात थाना राया क्षेत्र के मोहल्ला शिवपुरी स्थित रजनी लाइब्रेरी के पास से अनुज कुमार को दबोच लिया। वह ग्राम हवेली, थाना राया, जनपद मथुरा का निवासी है। तलाशी के दौरान उसके पास से एक मोबाइल फोन, उपनिरीक्षक भर्ती के दो एडमिट कार्ड, अन्य परीक्षाओं के चार एडमिट कार्ड, आठ व्हाट्सएप चैट और सामान्य ज्ञान की एक पुस्तक बरामद की गई। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। इसी दौरान उसकी मुलाकात गोपाल रावत नाम के युवक से हुई थी, जो अभ्यर्थियों को उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा पास कराने का झांसा देकर करीब 22 लाख रुपये तक की मांग करता था। अनुज का काम अभ्यर्थियों को तलाश कर उन्हें गोपाल से मिलवाना था। एसटीएफ की सूचना पर थाना राया में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। फरार चल रहे गोपाल रावत की तलाश जारी है। भर्ती परीक्षा की निगरानी उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड और एसटीएफ की टीमें लगातार कर रही हैं।

गैस के लिए ट्रक के सामने लेटा युवक

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में एलपीजी सिलेंडर के लिए एक ग्राहक डिलीवरी गाड़ी के सामने लेट गया। उसका कहना था कि जब तक उसे सिलेंडर नहीं मिलेगा, तब तक वह नहीं उठेगा। वहीं, शहर के कई गैस गोदामों के बाहर सुबह से ही लंबी कतारें लगी रहीं। कई इलाकों में फास्ट फूड और चाय-नाश्ते की दुकानें भी बंद हो गई हैं। इस बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने एलपीजी सिलेंडरों की कालाबाजारी को लेकर प्रदेशभर में बड़े स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रवर्तन टीमों ने 1483 स्थानों पर निरीक्षण और छापेमारी की, जिसमें 24 FIR दर्ज कर 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। PG। इलाके में स्थित एक रेस्टोरेंट के मालिक ने नाम न छापने की शर्त में बताया कि गैस की किल्लत के चलते रेस्टोरेंट में कुछ खाद्य पदार्थों को अस्थायी रूप से पकाना बंद करना पड़ा है। रेस्टोरेंट में कार्यरत कर्मचारियों के लिए भोजन बनाने सहित अन्य कुछ जरूरतों को पूरा करने के लिए फिलहाल भट्टी का भी सहारा लिया जा रहा है। निगोहां की रामवती (58) बताती हैं कि कई दिनों से गैस सिलेंडर की बुकिंग नहीं हो पा रही है। मजबूरी में घर में पहले इस्तेमाल होने वाले मिट्टी के चूल्हे को दोबारा तैयार कर लिया है। उनका कहना है कि पहले के समय में इसी तरह चूल्हे पर खाना बनता था, लेकिन अब लोग इसकी आदत छोड़ चुके हैं।

ग्रामीणों के मुताबिक जिन घरों में अभी भी कच्ची जगह मौजूद है, वहां अस्थायी चूल्हा बनाकर खाना बनाना आसान है। लेकिन जिन घरों में पूरी तरह टाइल्स और मार्बल से किचन तैयार हो चुके हैं, वहां रहने वाले परिवारों के लिए चूल्हा जलाना संभव नहीं है। उन्हें पूरी तरह गैस सिलेंडर पर ही निर्भर रहना पड़ रहा है।

लखनऊ में 5 साल के मासूम अर्नव की पिटाई से हत्या

यूपी में लखनऊ के चौक इलाके में सौतेली मां और पिता ने कथित रूप से 5 साल के मासूम अर्नव की पीट-पीटकर हत्या कर दी। इस मामले में आरोपी के घर पर जबरदस्त हंगामा हुआ है। चौक पुलिस जब दोनों आरोपियों को लेकर उनके घर पहुंची तो मोहल्ले के लोगों ने जबरदस्त तरीके से मारपीट करने की कोशिश की। आरोपी को नाराजगी में पीट भी दिया गया। पुलिस फोर्स की मौजूदगी में घर के बाहर जबरदस्त हंगामा हुआ। मोहल्ले वालों ने गाली-गलौज की और आरोपी पिता को थप्पड़ मारे। दरअसल, 5 साल के मासूम अर्नव की मां और पिता पर आरोप लगा है कि यह लोग उसको बुरी तरीके से मारते-पीटते थे। हाल में अर्नव को उन्होंने इतना पीटा कि उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में अर्नव के शरीर में मौत से पहले पिटाई और काफी दिनों पहले के भी काफी सारे घाव आए हैं। ये साबित करते हैं कि अर्नव को घर में उसकी सौतेली मां और पिता बुरी तरीके से पीटते थे। चौक पुलिस ने दोनों ही आरोपी

दंपति को गिरफ्तार कर लिया है, लेकिन मोहल्ले के लोगों का गुस्सा सातवें आसमान पर था। अर्नव की नानी और मामा का कहना है कि उन्हें कभी भी अर्नव से मिलने नहीं दिया जाता था और गर्मी के महीने में अर्नव के घाव उन लोगों को ना दिख जाएं, इसके लिए अर्नव को फुल स्लीव की टी-शर्ट और मंकी कैप तक गर्मी में पहनाई जाती थी। अर्नव का पिता पेशे से वकील हैं। अर्नव की सौतेली मां बुटीक का काम घर पर ही किया करती थीं। मोहल्ले के लोग दोनों ही को फांसी देने की मांग कर रहे हैं। इसके बाद किसी तरह बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स घर पर पहुंची और आरोपी दंपति को सकुशल वहां से बाहर निकाला लेकिन इस दौरान मौके पर जबरदस्त हंगामा हुआ।

एसआई चयन परीक्षा के एक सवाल पर विवाद

लोगों ने जताई आपत्ति, जांच और कार्रवाई की मांग

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित उपनिरीक्षक (एसआई) चयन परीक्षा के एक प्रश्न को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। परीक्षा में पूछे गए एक सवाल के विकल्पों में "पंडित" शब्द शामिल होने पर कुछ लोगों ने आपत्ति जताई है। इस मामले को लेकर जनपद के कुछ लोगों ने जिला प्रशासन से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है। घटना के बाद यह मुद्दा स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बन गया है और मामले की जांच की मांग की जा रही है।जानकारी के अनुसार, रविवार को एक प्रतिनिधिमंडल ने इस मामले को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने गौरांग राठी, जय प्रकाश सिंह और सिटी मजिस्ट्रेट से मिलकर अपनी आपत्ति दर्ज कराई। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को एक प्रार्थना पत्र भी सौंपा, जिसमें परीक्षा में पूछे गए सवाल और उसके विकल्प को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी गई।प्रार्थना पत्र में बताया गया कि एसआई चयन परीक्षा में एक प्रश्न पूछा गया था, जिसमें लिखा था—"अवसर देखकर बदल जाने वाले व्यक्ति को क्या कहते हैं?" इस प्रश्न के विकल्पों में "पंडित" शब्द भी शामिल किया गया था। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि "पंडित" शब्द भारतीय समाज में एक सम्मानित पहचान और परंपरा से जुड़ा हुआ है। उनका कहना था कि इस शब्द का इस तरह के संदर्भ में प्रयोग समाज के एक वर्ग की भावनाओं को आहत कर सकता है।प्रतिनिधिमंडल के अनुसार, इस तरह के प्रश्न न केवल परीक्षा देने वाले अभ्यर्थियों के बीच भ्रम की स्थिति पैदा करते हैं, बल्कि समाज में अनावश्यक विवाद और असंतोष का कारण भी बन सकते हैं। उनका कहना था कि प्रतियोगी परीक्षाओं में पूछे जाने वाले प्रश्नों का चयन बहुत सावधानी से किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी समुदाय या वर्ग की भावनाओं को ठेस न पहुंचे।प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने प्रशासन से मांग की कि इस पूरे मामले को गंभीरता से लिया जाए और इसकी निष्पक्ष जांच कराई जाए। उन्होंने यह भी कहा कि यदि इस प्रश्न को परीक्षा में शामिल करने के पीछे किसी प्रकार की लापरवाही, त्रुटि या जानबूझकर की गई कार्रवाई सामने आती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही दोषियों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) दर्ज करने की भी मांग की गई।प्रार्थना पत्र में यह भी उल्लेख किया गया कि इस तरह की घटनाएं सरकार और प्रशासन की छवि को भी प्रभावित करती हैं। इसलिए भविष्य में ऐसी स्थिति से बचने के लिए प्रश्नपत्र तैयार करने की प्रक्रिया को और अधिक सावधानी और जिम्मेदारी के साथ संचालित किया जाना चाहिए।

दरोगा भर्ती परीक्षा देने जा रहे दो दोस्त घायल, चालक मौके से फरार

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में कानपुर से लखनऊ रविवार सुबह सात बजे सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा देने जा रहे दो युवकों की बाइक नवाबगंज कस्बे के आगे जैतीपुर मोड़ पर मुड़ रही ईंट लदी ट्रैक्टर-ट्राली से टकरा गई। घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्राली छोड़कर भाग निकला। दोनों घायलों में एक को सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। कानपुर नगर के थाना सजेती के उसूपुर निवासी शाहरुख खान (27) पुत्र अजमत खान, अपने दोस्त शशांक पुत्र दिनेश सचान के साथ रविवार सुबह बाइक से लखनऊ सब इंस्पेक्टर की परीक्षा देने जा रहे थे। नवाबगंज नहर पुलिया के पास लखनऊ की ओर से ईंट लादकर आ रही ट्रैक्टर-ट्रॉली अचानक जैतीपुर मार्ग पर मुड़ने लगी। इससे बाइक सवार अनियंत्रित होकर सीधे ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गए। दोनों युवक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने दोनों घायलों को नवाबगंज सीएचसी में भर्ती कराया। यहां डॉक्टर ने शाहरुख खान की हालत नाजुक देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। वहीं, हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर मौके से भाग गया। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को कब्जे में लिया है। मामले की जांच की जा रही है।

पति की तेरहवीं के दूसरे दिन दी जान

बोली- विरह सह नहीं सकती

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

पति की तेरहवीं के एक दिन बाद महिला ने शनिवार सुबह फंदा लगाकर जान दे दी। इससे पहले उसने वीडियो बनाकर व्हाट्सएप पर स्टेटस भी लगाया। वीडियो में उसने कहा, माता-पिता की माेत के बाद वह पति से विरह सहन नहीं कर सकती। परिजन से अंतिम संस्कार करने और प्लॉट में पति के साथ अपनी मूर्ति लगवाने की इच्छा जताई। घटना सदर कोतवाली के पीडीनगर मोहल्ले में हुई। पीडीनगर निवासी अशोक उर्फ बबलू की दो मार्च को बीमारी से मौत हो गई थी। छोटे भाई रोहित ने बताया कि अशोक की माेत के बाद भाभी आरती उर्फ एकता (28) ने बहुत आहत थीं। उनके कोई संतान न होने से वह खुद को अकेला बताकर रोती रहती थीं। शुक्रवार को अशोक की तेरहवीं थी। शनिवार सुबह भाभी ने आत्मघाती कदम उठा लिया। आरती ने अपने व्हाट्सएप स्टेटस पर एक वीडियो साझा किया है। वीडियो में उन्होंने कहा, सभी लोगों को नमस्कार... मेरा अंतिम संस्कार अच्छे से कर देना। पति के बगैर मैं जी नहीं सकती। इतनी ताकत नहीं है कि तीन साल में तीन-तीन मौतें सहन कर सकें। माता-पिता के बाद अब पति भी छोड़कर चले गए। वह पति से विरह सहन नहीं कर सकतीं। रोहित के अनुसार स्टेटस देखकर पास में रहने वाली मौसी तुरंत पहुंची लेकिन तब तक भाभी की मौत हो चुकी थी।

सूचना पाकर माेके पर पहुंचे अस्पताल चौकी इंचार्ज अंजनी सिंह ने फंदे से उतरवाकर शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने आरती के मोबाइल को भी कब्जे में लिया है। कोतवाल चंद्रकांत मिश्रा ने महिला ने फंदे से लटककर जान देने और व्हाट्सएप स्टेटस लगाने की पुष्टि की है। रोहित के अनुसार, भाभी आरती अपने माता-पिता की इकलौती संतान थीं। वह भैया के साथ पीडीनगर मोहल्ला में अपने माता-पिता के साथ रहती थीं। बीते दो साल में पहले उनकी मां और फिर पिता की बीमारी से मौत हो गई थी। इस दुख से वह उबर भी न पाई थीं। अब पति की भी बीमारी से मौत हो गई थी। भाइया-भाभी के कोई संतान नहीं थी जिससे उनका अकेलापन और बढ़ गया था। वह पति की मौत का सदमा बर्दाश्त नहीं कर सकीं।

लाखों की नकदी, जेवरात चोरी

सूने घर को चोरों ने बनाया निशाना

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले के बीघापुर थाना क्षेत्र स्थित बहुराजमऊ गांव में लाखों रुपये की नकदी और जेवरात चोरी होने से हड़कंप मच गया। चोरों ने एक सूने घर को निशाना बनाया और वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। इस घटना ने इलाके में लगातार हो रही चोरियों के बीच पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

गांव निवासी राहुल चौरसिया पुत्र गोपाल चौरसिया मुंबई में इलाज कराने गए हुए हैं। उनके घर की देखरेख उनकी भाभी निशा कर रही थीं। निशा जब सुबह घर पहुंचीं तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा देखकर दंग रह गईं। घर के अंदर कमरे में रखा बक्सा और अलमारी का लॉकर टूटा पड़ा था, और सारा सामान बिखरा हुआ था। पीड़िता निशा के अनुसार, चोर घर से लगभग छह लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात, नकदी, पीतल के बर्तन और कपड़े चुरा ले गए। चोरी की जानकारी मिलते ही परिवार में हड़कंप मच गया और आसपास के ग्रामीण भी मौके पर जमा हो गए। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई। उत्तर प्रदेश पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने आसपास के लोगों से पूछताछ की और साक्ष्य जुटाए। चोरी के खुलासे के लिए जांच शुरू कर दी गई है। पीड़ित महिला निशा ने थाने में चोरी की लिखित तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बीघापुर थाना क्षेत्र में इससे पहले भी लाखों रुपये की चोरी की कई घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन अब तक किसी मामले का खुलासा नहीं हो सका है। लगातार हो रही इन वारदातों से लोगों में दहशत का माहौल है और पुलिस गश्त पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीघापुर थानाध्यक्ष राज्यपाल ने बताया कि उन्हें घटना की जानकारी मिली है और जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

उन्नाव में युवक ने फांसी लगाकर दी जान

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के अजगैन थाना क्षेत्र के महीपतखेड़ा गांव में रविवार दोपहर एक 18 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें युवक ने अपनी निराशा व्यक्त की है। जिसमें लिखा- लिखा- मैं हर जगह से हार चुका हूं, प्रेमिका पर दबाव न डाला जाए।

पुलिस के अनुसार, ग्राम महीपतखेड़ा निवासी दयाराम के पुत्र अनुराग (18) का शव घर के अंदर फांसी के फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी रविवार दोपहर करीब एक बजे यूपी पुलिस डायल 112 को दी गई, जिसके बाद अजगैन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने मृतक के शव का पंचायतनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्रारंभिक जांच के दौरान कमरे से बरामद सुसाइड नोट को पुलिस ने कब्जे में ले लिया है और उसकी जांच की जा रही है। सुसाइड नोट में अनुराग ने मा-बाप से माफी मांगते हुए लिखा, वह जीवन में हर जगह से हार चुका है। अनुराग ने अपने माता-पिता से अपील की कि वे उसका सामान, जैसे कपड़े, जूते, घड़ी और परफ्यूम उसके भाई आदित्य को दे दें और अपनी बहन का ख्याल रखें। उसने स्पष्ट किया कि उसकी मौत के लिए कोई अन्य व्यक्ति जिम्मेदार नहीं है और यह कदम वह किसी के दबाव में आकर नहीं उठा रहा है।

उन्नाव में मौलाना हाफिज फखरुद्दीन को 75 हजार रुपये का नज़राना

उन्नाव शहर की मिनारी मस्जिद में रमज़ान के 25वें रोज़े पर तरावीह की नमाज़ पूरी हुई। इस अवसर पर मस्जिद में एक विशेष जलसे का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नमाज़ी और स्थानीय लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मौलाना निसार अहमद मिस्बाही ने शिरकत की। उन्होंने अपने संबोधन में रमज़ान के महीने की फज़ीलत और अहमियत पर विस्तार से प्रकाश डाला। मौलाना मिस्बाही ने कहा कि रमज़ान का महीना मुसलमानों के लिए रहमत और बरकत का है, जिसमें रोज़ा, नमाज़, तरावीह और कुरान की तिलावत के ज़रिए अल्लाह की इबादत की जाती है। उन्होंने सब्र, भाईचारे और इंसानियत का पैगाम अपनाने, ज़रूरतमंदों की मदद करने और ज़कात व सदका देने की अपील की। मस्जिद में तरावीह की नमाज़ मुकम्मल कराने वाले मौलाना हाफ़िज़ फ़खरुद्दीन को उनकी मेहनत और सेवा के लिए सम्मानित किया गया। मस्जिद कमेटी और नमाज़ियों की ओर से उन्हें 75 हज़ार रुपये का नज़राना भेंट किया गया। उपस्थित लोगों ने उनकी दीनी खिदमत की सराहना की और दुआएं दीं।स्थानीय नमाज़ियों ने भी अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि रमज़ान में तरावीह की नमाज़ और कुरान की तिलावत का विशेष महत्व है।

पंडित विवाद: दरोगा भर्ती परीक्षा में धर्म और जाति से जुड़ी टिप्पणी पर

मुख्यमंत्री योगी का सख्त रुख

उत्तर प्रदेश में दरोगा भर्ती परीक्षा में "अवसरवादी" के विकल्प के रूप में "पंडित" शब्द दिए जाने पर विवाद उठ गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर सख्त रुख अपनाते हुए सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। इस विवाद के बीच, परीक्षा के दूसरे दिन कई केंद्रों पर नरमी दिखी और धार्मिक पहचान से जुड़ी वस्तुएं उतरवाने का निर्देश नहीं दिया गया।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में दरोगा भर्ती परीक्षा के एक प्रश्न में "अवसरवादी" के विकल्प के रूप में "पंडित" शब्द दिए जाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। यह विवाद तब शुरू हुआ जब सोशल मीडिया और अभ्यर्थियों ने इस शब्द को धार्मिक और जातिगत संदर्भ में अनुचित बताया। इस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तुरंत सख्त कदम उठाया। उन्होंने प्रदेश के सभी भर्ती बोर्डों को निर्देश दिया कि जाति और धर्म से जुड़ी किसी भी प्रकार की अमर्यादित टिप्पणी को सख्ती से रोका जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि यदि ऐसी कोई गलती फिर से हुई, तो संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी, और मामले को गंभीरता से लिया जाएगा।इस विवाद के बाद, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी इस मामले की जांच कराने का आदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह एक गंभीर मुद्दा है और इस पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। वहीं, उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने इस मुद्दे पर सोशल मीडिया पर बयान जारी किया। बोर्ड ने कहा कि यह पूरी तरह से एक टाइपिंग गलती थी, जिसे जानबूझकर नहीं किया गया था। इसके अलावा, बोर्ड ने यह भी स्पष्ट किया कि परीक्षा केंद्रों पर अभ्यर्थियों से किसी भी धार्मिक वस्तु, जैसे कलावा, मंगलसूत्र, आदि उतरवाने का निर्देश नहीं था।इस विवाद के बाद, दरोगा भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन कुछ परीक्षा केंद्रों पर नरमी देखने को मिली। कई केंद्रों पर महिला अभ्यर्थियों से मंगलसूत्र नहीं उतरवाए गए और पुरुष अभ्यर्थियों से धार्मिक वस्तुएं भी नहीं हटवाइ गईं। हालांकि, सुरक्षा जांच के दौरान गहनों, बेल्ट, जूते, और चश्मे को उतारने के निर्देश दिए गए थे।इसी बीच, लखनऊ में इस परीक्षा के दौरान एक और दिलचस्प घटना घटी। दिल्ली की एक जेल से एक कैदी को कड़ी सुरक्षा के बीच लखनऊ लाया गया और उसे मोहनलालगंज स्थित काशीश्वर इंटर कॉलेज में आयोजित परीक्षा में बैठने दिया गया। इस विशेष प्रबंध को लेकर पुलिस विभाग ने सुरक्षा के सभी जरूरी इंतजाम किए थे। इसके अलावा, परीक्षा केंद्र पर दो महिला पुलिसकर्मियों ने अपने नवजात बच्चों को गोद में लेकर ड्यूटी की। यह दृश्य बहुत चर्चा में आया और सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।उत्तर प्रदेश में चल रही इस दरोगा भर्ती परीक्षा में कुल 15,75,760 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 11,66,386 पुरुष और 4,09,374 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। पहले दिन 44,160 अभ्यर्थियों में से 32,212 अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए। दूसरे दिन की परीक्षा के बाद, अभ्यर्थियों ने कहा कि प्रश्नपत्र अपेक्षाकृत आसान था, खासकर गणित और रीजनिंग के प्रश्न। इससे अभ्यर्थियों का मानना है कि इस बार मेरिट काफी उच्च जा सकती है।

प्रदेश में बदला मौसम, लखनऊ सहित आसपास के जिलों में चलीं ठंडी तेज हवाएं

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

यूपी में मौसम बदल गया है। रविवार की सुबह से ही तेज हवाएं चलनी शुरू हो गई हैं। लखनऊ और उसके आसपास के जिलों में देर रात हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने पहले ही रविवार की सुबह से मौसम बदलने का पूर्वानुमान जारी किया था। उधर पश्चिम यूपी के कई जिलों में सुबह अच्छी बरसात हुई। गाजियाबाद, नोएडा, हापुड़ जिले के कई इलाकों में बारिश हुई। मौसम में उतार-चढ़ाव का क्रम जारी है। पिछले दिनों अप्रैल जैसी गर्मी महसूस कर रहे लोगों को तापमान में गिरावट के बाद शनिवार को थोड़ी राहत मिली। मौसम विभाग के अनुसार, तापमान में गिरावट रविवार को भी जारी रहेगी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और तराई क्षेत्र में रविवार और सोमवार को हल्की बारिश की संभावना व्यक्त की जा रही है। शुक्रवार को बांदा में तापमान 40 डिग्री से पार पहुंच गया था जो शनिवार को घटकर 38.4 डिग्री पर आ गया। प्रदेश में रविवार को तापमान में और कमी आने के आसार हैं। आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से 15 मार्च से प्रदेश के तराई इलाकों के साथ-साथ पूर्वांचल के कुछ भागों में इस सीजन में पहली बार बारिश होने की संभावना है। इसके साथ ही तापमान में थोड़ी गिरावट आने की भी संभावना व्यक्त की जा रही है। मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि शुक्रवार को 40 डिग्री पार कर गए तापमान में गिरावट का दौर शनिवार से शुरू हुआ है जो मंगलवार तक जारी रहने के आसार हैं। शनिवार को प्रदेश में कई जगह एक से तीन डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। रविवार को तापमान में और गिरावट आने के आसार हैं। प्रदेश में बांदा में सबसे अधिक तापमान 38.4 डिग्री दर्ज किया गया। दूसरे नंबर पर उरई में अधिकतम तापमान 36.8 डिग्री रहा। मौसम की रंगत आए दिन बदल रही है। एक सप्ताह पहले तक अप्रैल जैसी गर्मी का अहसास दिला रहा मौसम शनिवार को बदला नजर आया। तापमान में गिरावट के साथ लोगों को गर्मी से थोड़ी राहत महसूस हुई। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को राजधानी के आसमान में बादलों की आवाजाही के आसार हैं। कहीं-कहीं छिटपुट बूंदाबांदी भी हो सकती है। शुक्रवार की अपेक्षा शनिवार को अधिकतम तापमान में कमी दर्ज की गई।

संभल में खाना नहीं दिया तो

सौतेली मां को मार डाला, आरोपी बेटा गिरफ्तार

टीवी भारतवर्ष ,संभल

संभल में युवक ने अपनी सौतेली मां के सिर पर हथौड़े से ताबड़तोड़ वार कर मार डाला। वह खाना देर से मिलने से नाराज था। चीखने की आवाज सुनकर जब पिता किचन में पहुंचे तो महिला जमीन पर पड़ी तड़प रही थी। चारों ओर खून बिखरा पड़ा था। पास ही हथौड़ा पड़ा हुआ था। अस्पताल ले जाने के पहले ही महिला ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आरोपी बेटे को हिरासत में ले लिया। शनिवार देर रात की यह वारदात जिला मुख्यालय से महज 700 मीटर दूर बहजोई कस्बा क्षेत्र के इस्लामनगर रोड स्थित दुर्गा कॉलोनी की है। पिता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ FIR दर्ज कर ली है। पुलिस हिरासत में बेटे ने पूछताछ में बताया- उसने सौतेली मां से खाना मांगा था। देर होने पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई। गुस्से में उसने हत्या कर दी। पूछताछ में बेटे ने बताया- वह शनिवार रात 8 बजे ड्यूटी से लौटा था। उसने दो बार खाना मांगा, पर काम में व्यस्त होने के कारण शमीम बानो ने नहीं सुना। रात करीब 9 बजे वह चिल्लाते हुए किचन में गया। खाना मांगने लगा। शमीम बानो ने कुछ देर रुकने के लिए कहा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस शुरू हो गई। आतिफ ने आवेश में आकर घर में पड़े हथौड़े से शमीम बानो के सिर पर वार कर दिया। ताबड़तोड़ वार से शमीम जमीन पर गिर पड़ी। सिर फटने से खून बहने लगा। चीख-पुकार सुनकर मुरीद किचेन में पहुंचे तो शमीम बानो का शव जमीन पर पड़ा देखा। मुरीद की सूचना पर रात करीब 12 बजे बहजोई थाना प्रभारी संत कुमार पुलिस फोर्स और फॉरेंसिक टीम लेकर मौके पर पहुंचे।

गोरखपुर: हंसिया से गला काटने की घटना

पिता ने कबूली बेटी की हत्या

टीवी भारतवर्ष, गोरखपुर

पुलिस के मुताबिक, 13 मार्च (शुक्रवार) को गोरखपुर के पिपराइच थाना क्षेत्र की रहने वाली नेहा भारती की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की सूचना मिली थी। हंसिया से उसका गला कट गया था। परिवार के लोगों ने उसे सीएचसी में भर्ती कराया। यहां से डॉक्टरों ने बीआरडी मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। अस्पताल प्रबंधन की सूचना पर पिपराइच पुलिस मेडिकल कॉलेज पहुंची। परिजनों से पूछताछ की गई। नेहा की मां मनोरमा ने बताया कि शुक्रवार सुबह बेटी मेरे साथ खेत की तरफ गई थी। वहां से सुबह करीब 11 बजे घर लौटकर आए। तभी नेहा घर में फिसलकर गिर गई। इस दौरान जमीन पर रखे हंसिया से उसकी गर्दन कट गई। हालांकि, नेहा की हालत देखकर पुलिस को शक हुआ। आसपास के लोगों से पूछताछ करने पर मामला और उलझ गया। पुलिस ने मामला संदिग्ध मानकर नेहा की लाश कब्जे में ले ली। 14 मार्च को पोस्टमॉर्टम कराकर शव परिजनों के हवाले कर दिया। उसी दिन देर शाम पिपराइच में परिजनों ने दाह संस्कार किया। इसके बाद पुलिस ने पिता कमलेश और मां मनोरमा से कड़ाई से पूछताछ शुरू की। पुलिस के सवालों में दोनों उलझ गए। जब उनसे हंसिया मांगी गई तो वो भी नहीं दे पाए। शक बढ़ने पर पुलिस ने उनके खिलाफ सबूत जुटाने शुरू किए। 15 मार्च को कमलेश को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उसने अपना जुर्म कबूल लिया। दरअसल, घटना के बाद गांव में नेहा की हत्या के चर्चाएं होने लगीं। दबी जुबान से हर कोई यही कह रहा था कि पिता ने ही बेटी को मारा है। लेकिन, परिजन कुछ और ही कहानी सुना रहे थे।